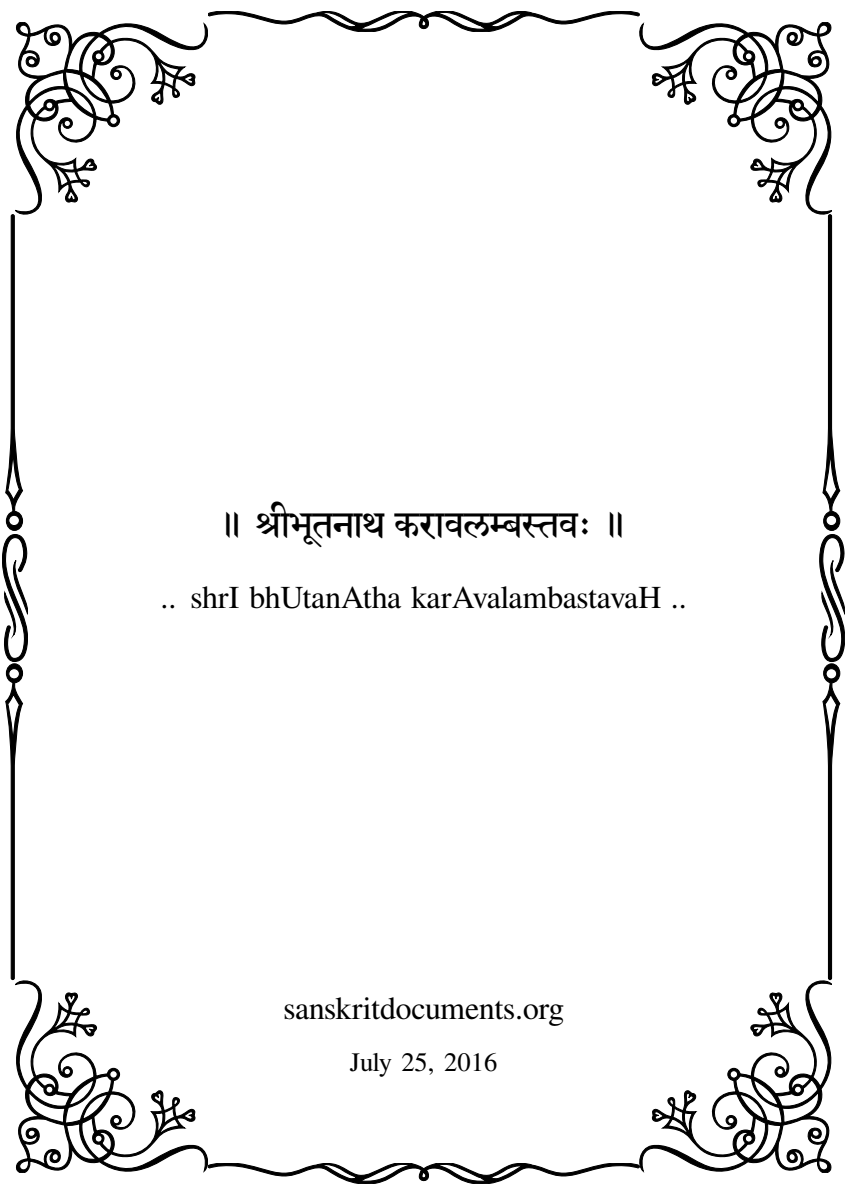

॥ श्रीभूतनाथ करावलम्बस्तवः ॥

.. shrI bhUtanAtha karAvalambastavaH ..

sanskritdocuments.org

July 25, 2016

Document Information

Text title : karAvalamba
File name : karaavalamba.itx
Location : doc_deities_misc
Language : Sanskrit
Subject : Hinduism/religion/traditional
Transliterated by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net
Proofread by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net
Latest update : April 23, 2008
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
Site access : http://sanskritdocuments.org

॥ श्रीभूतनाथ करावलम्बस्तवः ॥

ओङ्काररूप शबरीवरपीठदीप
श्रृङ्गार रङ्ग रमणीय कलाकलाप
अङ्गार वर्ण मणिकण्ठ महत्प्रताप
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १
नक्षत्रचारुनखरप्रद् निष्कळङ्क
नक्षत्रनाथमुख निर्मल चित्तरङ्ग
कुक्षिस्थल स्थिरचराचर भूतसंघ
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २
मन्त्रार्थ तत्वनिगमार्थ महावरिषु
यन्त्रादि तन्त्र वर वर्णित पुष्कलेष्ट
सन्त्रासितारिकुल पद्मसुखोपविष्ट
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ३
शिक्षापरायण शिवात्मजसर्वभूत
रक्षापरायण चराचरहेतुभूत
अक्षय्य मङ्गळ वरप्रद चित्प्रबोध
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ४
वागीश वर्णित विशिष्ट वचोविलास
योगीश योगकर यागफलप्रकाश
योगेशयोगि परमात्महितोपदेश
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ५
यक्षेशपूज्य निधिसञ्चय नित्यपाल
यक्षीश कांक्षित सुलक्षण लक्ष्यमूल
अक्षीण पुण्यनिज भक्तजनानुकूल
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ६
स्वामिन् प्रभारमण चन्दनलिप्तदेह
चामीकराभरण चारुतुरङ्गवाह
श्रीमद्सुराभरण शास्वतसमत्समूह
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ७
आताम्रहोरुचिरञ्जिताङ्गुगात्र
वेदान्तवेद्य विधिवर्णित वीर्यवेत्र
पादारविन्द् परिपावनभक्तमित्र
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ८
बालामृतांशु परिशोभित फालपट्ट
नीलाळिपाळिघनकुन्तळ दिव्यसूत्र

लीलाविनोद् मृगयापर सचरित्र
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ९
भूतिप्रदायक जगत् प्रथितप्रताप
भीतिप्रमोचक विशालकलाकलाप
बोधप्रदीप भवतापहर स्वरूप
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १०
वेताळभूतपरिवारविनोदशील
पाताळभूमि सुरलोक सुखानुकूल
नादान्तरङ्ग नतकल्पक धर्मपाल
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ११
शार्दूलदुग्धहर सर्वरुजापहार
शास्त्रानुसारपरसात्विक हृद्विहार
शस्त्रास्त्र शक्तिधर मौक्तिकमुग्धहार
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १२
आदित्यकोटिरुचिरञ्जित वेदसार
आधारभूत भुवनैक हितावतार
आधिप्रमाथि पदसारस पापदूर
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १३
पञ्चाद्रिवास परमाद्भुतभावनीय
पञ्छावतंसमकुटोज्वल पूजनीय
वाञ्छानुकूल वरदायक सत्सहाय
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १४
हिंसाविहीन शरणागतपारिजात
संसारसागर समुत्तरणैकपोत
हंसादिसेवितविभो परमात्मबोध
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १५
कुम्भीन्द्रकेसरितुरङ्गावाह तुङ्ग-
गंभीर वीरमणिकण्ठ विमोहनाङ्ग
कुंभोत्भवादिवरताप सच्चित्तरङ्ग
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १६
सम्पूर्ण भक्तवर सन्ततिदान शील
सम्पत्सुखप्रद सनातन गानलोल
सम्पूरिताखिल चराचर लोकपाल
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १७
वीरासनस्थित विचित्रवनाधिवास

नारायणप्रिय नटेश मनोविलास
वाराशिपूर्ण करुणामृत वाग्विकास
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १८
क्षिप्रप्रसादक सुरासुरसेव्यपाद
विप्रादिवन्दित वरप्रद सुप्रसाद
विभ्राजमान मणिकण्ठ विनोदभूत
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ १९
कोटीरचारुतर कोटिदिवाकराभ
पाटीरपङ्ककळभप्रिय पूर्णशोभ
वाटीवनान्तर विहारविचित्ररूप
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २०
दुर्वारदुःखहर दीनजनानुकूल
दुर्वास आद्यऋषिवरार्चितपादमूल
दर्वीकरेन्द्रमणिभूषण धर्मपाल
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २१
नृत्ताभिरम्य निगमागम साक्षिभूत
भक्तानुगम्य परमात्भुत हृत्प्रबोध
सत्तापसार्चित सनातन मोक्षभूत
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २२
कन्दर्पकोटि कमनीयतरावतार
मन्दार कुन्द सुमवृन्द मनोज्ञहार
मन्दाकिनीतटविहार विनोदपूर
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २३
सत्कीर्तनप्रिय समस्तसुराधिनाथ
सत्कुमारसाधु हृदयाम्बुज सन्निकेतन
सत्कीर्तिसौख्य वरदायक सत्किरात
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २४
ज्ञानिप्रपूजित पदाम्बुज भूतिभूष
दीनानुकंपित दयापर दिव्यवेष
ज्ञानस्वरूप वरचाक्षुष वेदघोष
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २५
नादान्तरङ्ग वरमङ्गळनृत्तरङ्ग-
पादारविन्द कुसुमायुधकोमळाङ्ग
मातङ्गकेसरितुरङ्गमवाहतुरङ्ग
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २६

ब्रह्मस्वरूप भवरोगपुराणवैद्य
धर्मार्थकामवरमुक्तिद वेदवेद्य
कर्मानुकूलफलदायक चिन्मयाद्य
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २७
तापत्रयापहर तापसहृद्विहार
तापिञ्छ चारुतरगात्र किरातवीर
आपादमस्तकलसन्मणिमुग्धहार
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २८
चिन्तामणिप्रथित भूषणभूषिताङ्ग
दन्तावलेन्द्रहरिवाहन मोहनाङ्ग
सन्तानदायक विभो करुणान्तरङ्ग
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ २९
आरण्यवासवरतापस बोधरूप
कारुण्यसागर कलेश कलाकलाप
तारुण्यतामरसलोचन लोकदीप
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ३०
आपादचारुतरकामसमाभिराम
शोभायमान सुरसञ्चयसार्वभौम
श्रीपाण्ड्यपूर्वसकृतामृत पूर्णधाम
श्री भूतनाथ मम देहि करावलम्बम् ॥ ३१
इति श्री भूतनाथ करावलम्बस्तवः सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Antaratma antaratma at Safe-mail.net

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

.. shrI bhUtanAtha karAvalambastavaH ..
was typeset on July 25, 2016

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*